

व्यवसायी वि. (तत्.) 1. वह मनुष्य जो किसी कारोबार, रोजगार, व्यवसाय में लगा हो 2. वह व्यक्ति जो एक या अधिक प्रकार के व्यवसाय करता हो पेशेवाला, कामधंधे, कारोबार वाला 3. परिश्रमी, मेहनती किसी व्यवसाय में लगे हुए व्यक्ति से संबंधित व्यवसाय से संबंधित, व्यावसायिक।

व्यवसित वि. (तत्.) 1. किया हुआ, निष्पादित, समाप्त 2. कार्य के लिए तैयार, उद्यत 3. जो निश्चय किया जा चुका हो।

व्यवस्थता वि. (तत्.) 1. प्रबंधक, व्यवस्थापक 2. किसी विषय पर शास्त्रीय, कानूनी या प्रशासनिक निर्णय देने वाला।

व्यवस्था स्त्री. (तत्.) 1. नियमादि के द्वारा किसी कार्य को किए जाने का विधान, प्रबंधन, इंतजाम, देखरेख 2. (वस्तुओं आदि को) क्रम में या ढंग से यथास्थान लगाना 3. उपाय, युक्ति 4. विन्यास, क्रम, तरतीब 5. प्रावधान (नियम, कानून आदि में) 6. किसी विशिष्ट कार्य के लिए शास्त्र का विधान/उपाय 7. आदेश, निर्णय, फैसला 8. संचालन, नियंत्रण।

व्यवस्थान पुं. (तत्.) 1. प्रबंध, इंतजाम, व्यवस्था 2. आदेश, नियम, निर्णय।

व्यवस्थापक वि. (तत्.) 1. प्रबंधक, व्यवस्था करने वाला, इंतजाम करने वाला 2. शास्त्रीय, कानूनी, प्रशासनिक आदि का निर्णय, आदेश देने वाला।

व्यवस्थापत्र पुं. (तत्.) किसी विषय पर लिखित शास्त्रीय, प्रशासनिक व्यवस्था, निर्णय देने वाला दस्तावेज।

व्यवस्थापन पुं. (तत्.) 1. व्यवस्था करने की क्रिया या भाव 2. किसी विषय में शास्त्रीय कानूनी, प्रशासनिक व्यवस्था या निर्णय देना 3. उचित प्रकार से सजा-संवारकर रखना 4. निर्धारण करना।

व्यवस्थापिका स्त्री. (तत्.) 1. प्रबंध/व्यवस्था/इंतजाम, देखभाल करने वाली महिला प्रबंधक 2. प्रबंध, व्यवस्था आदि से संबंधित आदेशों, नियमों की पुस्तिका 3. वह सभा जो देश के लिए कानून आदि बनाती है।

व्यवस्थापित सं.वि. 1. जिसकी व्यवस्था की गई हो, व्यवस्थित 2. जो किसी व्यवस्था के अधीन हो 3. निर्धारित, नियमित।

व्यवस्था-प्रश्न पुं. (तत्.) राज. लोकसभा, राज्य सभा, विधान सभा आदि में उठाई गई नियम संबंधी आपत्ति, औचित्य प्रश्न।

व्यवस्थित वि. (तत्.) 1. जिसकी उचित व्यवस्था की गई हो 2. उचित प्रकार से यथा स्थान रखा गया 3. उचित नियमों, व्यवस्थाओं के अधीन संचालित 4. निर्धारित, निश्चित।

व्यवस्थिति स्त्री. (तत्.) व्यवस्था, व्यवस्थापन, प्रबंधन।

व्यवहरण वि. (तत्.) विधि. 1. गबन, धन का अपहरण, अपने पास रखा हुआ दूसरे का धन हरण कर लेना 2. किसी विवाद को न्यायालय में उपस्थित करना, मुकदमा चलाना।

व्यवहर्ता वि. (तत्.) 1. व्यवहार करने वाला, प्रयोगकर्ता 2. न्यायाधीश (प्राचीन प्रयोग में) 3. मुकदमा लड़ने वाला।

व्यवहार क्रि.वि. (तत्.) 1. व्यवहार के विचार से, व्यवहार के लिए 2. प्रयोगात्मक दृष्टि से न कि सैद्धांतिक दृष्टि से।

व्यवहार पुं. (तत्.) 1. किसी के प्रति किया जाने वाला आचरण बर्ताव, सलूक 2. उपयोग, उपभोग 3. व्यापार, तिजारत, धन के लेन-देन का काम, महाजनी 4. रीति-रिवाज, रस्म, प्रथा के अनुसार लेन-देन 5. रीति, रस्म, प्रथा 6. संबंध, रिश्तेदारी।

व्यवहारज्ञ पुं. (तत्.) 1. समाज की रीतियों, रस्मों, विधियों का जानकार 2. नीति को समझने वाला, व्यवहार कुशल।